भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2614
दिनांक 16 **मार्च**, 2023

2जी बायो-इथेनॉल परियोजनाएं

†2614.**डॉ. प्रीतम गोपीनाथ राव मुंडे**:
श्री राहुल रमेश शेवाले:
श्री चंद्र शेखर साहू:
श्री गिरीश भालचन्द्र बापट:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) केंद्र सरकार द्वारा देश के विभिन्न राज्यों विशेषकर महाराष्ट्र और ओडिशा में अब तक कितनी 2जी जैव-इथेनॉल परियोजनाओं का वित्तपोषण किया गया है;

(ख) वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न राज्यों, विशेषकर महाराष्ट्र और ओडिशा को कितनी सहायता प्रदान की गई हैं;

(ग) क्या इस योजना के अंतर्गत सहायता का उपयोग इथेनॉल की कमी वाले स्थानों में 2जी इथेनॉल परियोजना स्थापित करने में भी किया जा सकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) 2जी इथेनॉल परियोजना की स्थापना के लिए क्या मानदण्ड निर्धारित किए गए हैं और केन्द्र सरकार द्वारा महाराष्ट्र और ओडिशा में और अधिक परियोजनाएं स्थापित करने के लिए अब तक उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(**श्री रामेश्वर तेली**)

(क) एवं (ख) मार्च, 2019 में, सरकार ने देश में लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमास और अन्य नवीकरणीय फीडस्टॉक का उपयोग करके दूसरी पीढ़ी (2जी) की एथेनॉल परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के निमित्त "प्रधानमंत्री जी-वन (जैव इंधन - वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना" अधिसूचित की थी। वर्ष 2018-19 से वर्ष

2023-24 की अवधि के लिए योजना के लिए कुल वित्तीय परिव्यय 1969.50 करोड़ रुपये है। पीएम जी-वन योजना के आरंभ होने के बाद से निम्नलिखित 2जी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है:

क्र.सं.	**कम्पनियाँ**	**राज्य**	**परियोजना का प्रकार**	**अनुमोदित वित्तीय सहायता (करोड़ रुपए में)**
1.	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	हरियाणा	वाणिज्यिक	150
2.	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	ओडिशा	वाणिज्यिक	150
3.	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	पंजाब	वाणिज्यिक	150
4.	नुमालीगढ़ रिफाइनरीज लिमिटेड	असम	वाणिज्यिक	150
5.	मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड*	कर्नाटक	वाणिज्यिक	100
6.	शेल इंडिया मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड*	कर्नाटक	वाणिज्यिक	150
7.	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	हरियाणा	प्रदर्शन	15
8.	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड*	बिहार	प्रदर्शन	15
9.	चेमपोलिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड*	पंजाब	प्रदर्शन	15

*वर्ष 2022-23 में अनुमोदित।

(ग) महाराष्ट्र और ओडिशा सहित भारत में कहीं भी 2जी एथेनॉल संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं और सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी (सीएचटी) द्वारा जारी 'चयन के लिए अनुरोध (आरएफएस)' का उत्तर देने सहित सुसंगत प्रक्रिया का पालन करने के बाद योजना के तहत सहायता माँगी जा सकती है।

(घ) पीएम जी-वन योजना के तहत 2जी एथेनॉल परियोजना की स्थापना के लिए प्रौद्योगिकी मूल्यांकन के लिए चयन सम्बन्धी मानदंड **अनुलग्नक** में दिया गया है।

अनुलग्नक

2जी बायो-एथेनॉल परियोजनाओं के संबंध में दिनाँक 16.03.2023 **को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या** 2614 **के भाग** (**घ**) **के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।**

2जी एथेनॉल परियोजना की स्थापना के लिए प्रौद्योगिकी मूल्यांकन के लिए चयन सम्बन्धी मानदंड:

वाणिज्यिक परियोजनाएँ:

(i) वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए 2जी बायो-एथेनॉल परियोजना विकासकर्ताओं (पीडी) की प्रस्तावित प्रौद्योगिकी को भारत या अन्य स्थलों पर पचासवें हिस्से (1/50वें) या उच्च क्षमता पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

(ii) प्रदर्शन/वाणिज्यिक संयंत्र की कम से कम 50% क्षमता की तीन माह (संचयी या निरंतर) की अवधि का प्रचालन आँकड़ा या प्रदर्शन/वाणिज्यिक संयंत्र की नेम-प्लेट (100%) क्षमता के लिए एक माह (संचयी या सतत) की अवधि की परियोजना के लिए प्रस्तावित प्रौद्योगिकी को आरएफएस आमंत्रित करते समय प्रौद्योगिकी प्रदर्शन को अभि ात करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की हाइड्रोकार्बन सम्बन्धी वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के साथ साझा करने की आवश्यकता होती है।

प्रदर्शन परियोजनाएँ ((**वार्षिक** 2**जी एथेनॉल उत्पादन क्षमता** 3.75 **लाख लीटर से** 11.25 **लाख लीटर के बीच** (**फीडस्टॉक क्षमता** - 5 **टीपीडी से** 15 **टीपीडी**)):

(i) प्रदर्शन परियोजनाओं के लिए पीडी की प्रस्तावित प्रौद्योगिकी को प्रयोगशाला स्तर पर बायोमास को एथेनॉल में परिवर्तित करने के लिए प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

(ii) प्रस्तावित प्रौद्योगिकी के तीन माह (सतत या संचयी) के प्रचालन आँकड़ों को आरएफएस आमंत्रित करते समय प्रौद्योगिकी प्रदर्शन को अभि ात करने के लिए एसएसी के साथ साझा करने की आवश्यकता होती है।

***